राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने श्पर्यावरण महोत्सव–2025श में की शिरकत

हर तहसील में हो पिपलांत्री–सा गाँव, जन–जन तक पहुंचे पर्यावरण संरक्षण का यह मॉडल –राज्यपाल

जयपुर/राजसमंद, 5 अगस्त। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने पर्यावरण संरक्षण के मॉडल ग्राम–पिपलांत्री में आयोजित पर्यावरण महोत्सव–2025 में शिरकत की। जब वे यहाँ पहुंचे तब बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं अपनी नन्ही बच्चियों के साथ मौजूद थी। राज्यपाल श्री बागडे ने बच्चियों का दुलार कर उन्हें आशीर्वाद दिया।

जल ग्रहण प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री बागडे ने कहा कि पर्यावरणविद श्याम सुंदर पालीवाल (पद्मश्री) के प्रयासों से आज यहाँ चारों ओर हरियाली दिखाई देती है। यह 19 वर्षों में श्री श्याम सुंदर पालीवाल, श्रीमती अनीता पालीवाल और यहाँ के ग्रामीणों के पर्यावरण के प्रति प्रेम, आत्मीयता, समर्पण का परिणाम है। यहाँ ग्रामीणों ने न सिर्फ पौधे लगाए बल्कि उन्हें जीवित भी रखा, उसी का परिणाम है कि चारों ओर वृक्ष ही वृक्ष दिखाई देते हैं। हर बेटी के जन्म पर 111 पौधे लगाना अपने आप में अनुपम उदाहरण है।

राज्यपाल श्री बागडे ने कहा कि प्रदेश की हर तहसील में पिपलांत्री जैसा गाँव होना चाहिए, राजस्थान में भूमि की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो इच्छा शक्ति की। राज्यपाल ने अमृता देवी के नेतृत्व में वृक्षों को बचाने के लिए बिश्नोई समुदाय के बलिदान को भी याद कर उन्हें नमन किया। राज्यपाल ने समस्त ग्रामीणों से अपील कर कहा कि बेटियों को पढ़ाने–लिखाने में कोई कमी नहीं रखें, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा निर्धनता से बाहर आने का सशक्त माध्यम है।

पिपलांत्री मॉडल के सूत्रधार पर्यावरणविद श्याम सुंदर पालीवाल (पद्मश्री) ने कहा कि पिपलांत्री में आज तक 14 से 15 लाख पौधे लगाए गए हैं, जिनमें 1 लाख चंदन के वृक्ष शामिल है। एक समय था जब यहाँ भू–जल स्तर काफी कम था और पानी का भी संकट था, लेकिन जल संरक्षण गतिविधियों से अब यह जल स्तर काफी ऊपर आ गया है और पानी की समस्या हमेशा के लिए दूर हो गई है। यह सब ग्रामीणों और भामाशाहों के सहयोग से ही संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि आज यहाँ तालाब और कुए में लबालब पानी है, गाँव में पलायन रुका है, गाँव में ही रोजगार मिला है, पिपलांत्री आज इको टूरिजम के साथ–साथ कई नए अवसरों को बढ़ावा दे रहा है, डेयरी व्यवसाय भी फल–फूल रहा है।

कार्यक्रम में नन्ही बच्चियों ने राज्यपाल की कलाई पर राखी बाँधी। राज्यपाल ने पीपल का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। नवजन्मी बच्चियों के नाम पर समारोह स्थल पर उनकी माताओं द्वारा पौधे लगाए गए। यह दूसरा अवसर था जब श्री बागडे पिपलांत्री पहुंचे।

जिला एवं सेशन जज श्री राघवेंद्र काछवाल ने गत 5 अप्रैल को पिपलांत्री में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्तिगण एवं माननीय उच्च न्यायालय के न्यायाधिपतिगण के भ्रमण का उल्लेख करते हुए बताया कि कार्यक्रम में भारत के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश श्री बी आर गवई उपस्थित थे और उन्होंने भी इस पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की थी।

———

plantri
A Model Village
मरव्य अतिथि
जी
की रक्षा करते
हरिभाऊ बागड़े
राज्यपाल, राजस्थान